धरगे गुरु मुरारी हाथ,
सुझण लागी अगत की बात,
सबके कष्ट मिटाव: स:,
मन्नै सुणी स चोटी आले में,
बाबा आव: स।।

बाबा की दिख: स परछाई,
सच्ची अखण्ड जोत जगाई,
सच्चा ध्यान लगाव: स,
मन्नै सुणी स चोटी आले में,
बाबा आव: स।।

कई कई घण्टे जाप कर: स,
सिर सतगुरु हाथ धर: स,
मन का भरम मिटाव: स,
मन्नै सुणी स चोटी आले में,
बाबा आव: स।।

छोटी सी पुलिया प धाम,
भक्ति होरी स निसकाम,
मन में मस्ती छाव: स,
मन्नै सुणी स चोटी आले में,
बाबा आव: स।।

राजपाल भक्त स भोला,
इसमें झुठ नहीं स तोला,
दुनिया साथ निभाव: स,
मन्नै सुणी स चोटी आले में,
बाबा आव: स।।

धरगे गुरु मुरारी हाथ,
सुझण लागी अगत की बात,
सबके कष्ट मिटाव: स:,
मन्नै सुणी स चोटी आले में,
बाबा आव: स।।

गायक – नरेन्द्र कौशिक।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)

Video Not Available. Well Add Soon.

Source: https://www.bharattemples.com/dharke-guru-murari-hath/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw